डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(नेशनल अकादमी ऑफ़ लेटर्स)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

स्पीड-पोस्ट

सा.अ./16/14/बीएस/पीएन/ 28 जून, 2017

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी भाषा सम्मान

साहित्य अकादेमी ने डॉ. शेष आनंद मधुकर को **मगही भाषा** (जो अकादेमी द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है) में उनके द्वारा दिए गए बहुमूल्य योगदान के लिए भाषा सम्मान प्रदान किए जाने की घोषणा की है।

भाषा सम्मान में 100000/- रुपये की राशि, उत्कीर्ण ताम्र-फलक तथा प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जाता है। यह सम्मान भविष्य में कोई तिथि निर्धारित कर एक विशेष समारोह में साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष द्वारा प्रदान किया जाएगा।

भाषा सम्मान पुरस्कार विजेता का संक्षिप्त जीवन-वृत्त तथा जिन निर्णायक मंडल के सदस्यों की अनुशंसाओं पर भाषा सम्मान की घोषणा की गई है, के नाम निम्नलिखित हैं : -

डॉ. शेष आनंद मधुकर प्रख्यात मगही विद्वान, शिक्षक तथा शिक्षाविद् हैं। आपने संस्कृत में स्नातकोत्तर तथा *मगही कविता के बिम्ब* (1991) विषय पर पी-एच.डी. की उपाधि प्राप्त की। आप 1999 में संत कोलम्बा महाविद्यालय, हज़ारीबाग़ के हिंदी विभाग से प्रोफ़ेसर के पद से सेवानिवृत्त हैं। आपकी कुछ पुस्तकें मगही तथा हिंदी भाषा में प्रकाशित हुई हैं तथा आपने कई निबंध संकलनों, नाटकों, कहानियों आदि का भी संपादन किया है। आपकी मगही में प्रकाशित कृतिया हैं -- *मगहे हे भूला चल हे* (कविता संग्रह) तथा *एकलव्य* (प्रबंध काव्य)। मगही भाषा के विकास हेतु आप द्वारा किए गए कार्यों को सर्वव्यापक पहचान एवं सराहना प्राप्त हुई है।

भाषा	निर्णायक मंडल के सदस्यों के नाम
मगही	श्री रामकृष्ण मिश्र श्री बाबूलाल मधुकर श्री रामविनय शर्मा विनय

(के. श्रीनिवासराव)

प्रकाशन/प्रसारण हेतु जारी,